भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्याः *321
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 16 मार्च, 2026
25 फाल्गुन, 1947 (शक)

संरक्षित स्मारकों के संरक्षण और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाएं

*321. **श्री मनोज कुमार** :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान बिहार में, विशेषकर कैमूर और रोहतास जिलों में संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, जीर्णोद्धार और उन्नयन के लिए अनुमोदित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में अब तक कितनी धनराशि उपयोग में लाई गई है;
(ख) क्या सरकार ने बिहार में, विशेषकर उक्त जिलों में ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों को राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल करने पर विचार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इस संबंध में प्रस्तावों की स्थिति क्या है और उनके संरक्षण के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है;
(ग) बिहार में, विशेषकर उक्त जिलों में सांस्कृतिक और पर्यटन परिपथों को विकसित करने के लिए सरकार द्वारा की गई/की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;
(घ) बिहार में विगत पांच वर्षों के दौरान पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अवसंरचना और प्रचार में किए गए निवेश का वर्ष-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;
(ङ) पर्यटन से संबंधित कार्यकलापों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी का ब्यौरा क्या है; और
(च) सांस्कृतिक पर्यटन का स्थानीय अर्थव्यवस्था और विरासत संरक्षण पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

लोकसभा में उत्तरार्थ संरक्षित स्मारकों के संरक्षण और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाएं के बारे में माननीय संसद सदस्य श्री मनोज कुमार द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *321 **के भाग (क) से (च) के उत्तर में संदर्भित विवरण**

(क): बिहार राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 70 केंद्रीय संरक्षित स्मारक हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इन स्मारकों/स्थलों में संरक्षण, पुनरुद्धार और पर्यटक सुविधाओं के उन्नयन से संबंधित कार्य, राष्ट्रीय संरक्षण नीति के अधीन संरक्षण की आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार करता है और यह एक सतत् प्रक्रिया है। विगत तीन वर्षों के दौरान, बिहार राज्य में पर्यटन सुविधाओं के संरक्षण, पुनरूद्धार और उन्नयन के लिए आवंटित निधियों और किए गए का ब्यौरा निम्नानुसार हैः –

(राशि करोड़ में)

क्र. सं.	वर्ष	आवंटन	किया गया व्यय
1.	2022-23	9.00	9.00
2.	2023-24	16.00	16.00
3.	2024-25	8.73	8.73

बिहार राज्य में विगत तीन वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान निष्पादित किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का ब्यौरा अनुबंध-I में दिया गया है।

विगत तीन वर्षों के दौरान, बिहार राज्य के कैमूर और रोहतास जिलों में किए गए संरक्षण और अनुरक्षण से संबंधित कार्य और उन पर किए गए व्यय का विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

(ख): प्राचीन स्मारकों/पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का संरक्षण किया जाना एक सतत् प्रक्रिया है। स्मारकों और स्थलों का आंकलन उनके पुरातात्विक, ऐतिहासिक और वास्तुशिल्प महत्व के आधार पर किया जाता है, और जो स्मारक/स्थल इसके योग्य पाए जाते हैं उन्हें प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल

और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधान के अनुसार राष्ट्रीय महत्व के स्मारक/स्थल के रूप में घोषित किया जाता है।

(ग) और (घ): भारत सरकार ने अपने सदस्य राज्यों की लोक कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों को संरक्षित करने और इसे संवर्धित करने के लिए प्रयागराज में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) और कोलकाता में पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) की स्थापना की है। बिहार इन क्षेत्रीय सांस्कृतिक परिषदों का सदस्य राज्य है और ये केन्द्र नियमित रूप से बिहार राज्य सहित अपने सदस्य राज्य में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जिसके लिए उन्हें वार्षिक अनुदान सहायता प्रदान की जाती है। बिहार राज्य में आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में सप्तक, मेरी माटी मेरा देश, हर घर तिरंगा अभियान, लोक नाट्य समारोह, गुरु गोबिंद सिंह की 350वीं जयंती पर प्रकाशोत्सव, गंगा संस्कृति यात्रा आदि शामिल हैं।

पर्यटन गंतव्य और उत्पाद का क्षेत्रीय विकास और उन्नयन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी विभिन्न योजनाओं अर्थात् 'स्वदेश दर्शन', 'स्वदेश दर्शन-2.0 (एसडी 2.0)' 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)', स्वदेश दर्शन योजना की एक उप-योजना और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद)' योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास और अनुभवों का निर्माण करने के प्रयासों को पूरा करता है। यह सहायता, संबंधित राज्य सरकार /केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की एजेंसियों से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति के उपरांत योजना के दिशा-निर्देशों, सरकारी अनुदेशों, निधियों की उपलब्धता आदि के साथ सामंजस्य करते हुए प्रदान की जाती है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने अपनी योजना 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)-वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में 3295.76 करोड़ रुपये की लागत से 23 राज्यों में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें बिहार की परियोजनाएं भी शामिल हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने और उनकी वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग और विपणन करना है।

बिहार में 'स्वदेश दर्शन', 'स्वदेश दर्शन-2.0 (एसडी 2.0)' 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)',और 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) नामक योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध-III में दिया गया है।

(ङ) और (च): स्थानीय समुदाय, कई प्रकार से पर्यटन से संबंधित गतिविधियों में भाग लेते हैं। वे अक्सर पर्यटक मार्गदर्शक, फोटोग्राफर, विक्रेता और दुकानदार के रूप में काम करते हैं और अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं और पर्यटकों को अपने स्थानीय उत्पाद बेचते हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से, वे आय अर्जित करते हैं और समग्र पर्यटन अनुभव में योगदान देते हैं।

मंत्रालय राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों को स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने और पूरी की गई परियोजनाओं के सुदृढ़ संचालन और प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है ताकि इससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि, स्थानीय रोजगार का सृजन और समग्र पर्यटक संतुष्टि में वृद्धि हो सके।

सांस्कृतिक पर्यटन नौकरियों का सृजन करके और धरोहर स्थलों के पास स्थानीय व्यवसायों को संवर्धित करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायता करता है। यह सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता भी बढ़ाता है।

अनुबंध –I

लोकसभा में दिनांक 16.03.2026 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या * 321 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित विवरण

बिहार राज्य में विगत तीन वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान निष्पादित किए गए प्रमुख संरक्षण कार्यों का विवरण

वित्तीय वर्ष 2022-23

क्र.सं.	**स्मारक का नाम**	**किए गए मुख्य संरक्षण कार्यों का ब्यौरा**
1.	अधिग्रहित क्षेत्र, नालंदा , जिला-नालंदा में संलग्न सभी टीले, संरचनाएं और भवन	नालंदा में खुदाई से मिले अवशेषों पर मंदिर नंबर 12 के साइड वाले हिस्से का संरक्षण
		नालंदा में मठ संख्या 08 का संरक्षण
		नालंदा में मंदिर संख्या 14 का संरक्षण
		नालंदा में उत्खनन से मिले अवशेषों के मंदिर नंबर 02 का संरक्षण
		नालंदा में उत्तरी भाग के मंदिर संख्या 13 के निचले हिस्से का संरक्षण
2.	बौद्धस्तूप,ताजपुर, देउर, जिला- पूर्वी चंपारण	पूर्वी चंपारण के केसरिया में बौद्ध स्तूप के नए खुले ढांचे का संरक्षण
		पूर्वी चंपारण के केसरिया में नई उत्खनन वाली जगह पर बौद्ध स्तूप के पूर्वी हिस्से का संरक्षण ।
		पूर्वी चंपारण के केसरिया में नई उत्खनन वाली जगह पर बौद्ध स्तूप के पश्चिमी हिस्से का संरक्षण ।
3.	अशोक स्तंभ कोल्हुआ , जिला- मुजफ्फरपुर	खुटागरशाला स्वास्तिक मठ अशोक स्तंभ कोल्हुआ का संरचनात्मक संरक्षण
4.	विक्रमशिला मठ का प्राचीन स्थल , अंतीचक , माधोरामपुर , ओरिउप , जिला- भागलपुर	विक्रमशिला में उत्खनन से मिले अवशेषों पर उत्तर पूर्वी मठ का संरक्षण अन्तिचक
		अंतीचक , भागलपुर तिब्बती मंदिर विक्रमशिला का संरक्षण महाविहार , ।

		मठ का संरक्षण (दक्षिण और पश्चिम की ओर) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर।
		चबूतरे का संरक्षण (मठ कक्ष) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर
		मठ का संरक्षण (उत्तरी मंडप) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर
		विक्रमशिला सहाविहार के मठ की सीढ़ी (पश्चिम की ओर) का संरक्षण , अंतीचक , भागलपुर।
		विक्रमशिला महाविहार के मठ की सीढ़ी (दक्षिण की ओर) का संरक्षण , अंतीचक , भागलपुर।
5.	राजा विशाल का गढ़ वैशाली , जिला- वैशाली	वैशाली में राजा विशाल का गढ़ का संरक्षण
6.	शेर शाह सूरी का मकबरा, सासाराम , जिला- रोहतास	सासाराम में शेरशाह सूरी मकबरे के मुख्य गुंबद और बाहरी ढांचों का संरक्षण
7.	राजगृह की दीवारों से घिरे इलाकों में सभी पुरानी इमारतें और बचे हुए हिस्से अथवा स्मारक (महादेव मंदिर, राजगीर , जिला, नालंदा)	राजगीर में महादेव मंदिर का संरक्षण और जीर्णोद्धार
		राजगीर में जरासंध का अखाड़ा का संरक्षण ।

8.	राजगृह (जरासंध का बैठका , मनियार मठ), ज़िला, नालंदा के नाम से जाने जाने वाले पुराने शहरों से आधे मील के अंदर हैं।	राजगीर में जरासंध की बैठक का संरक्षण ।
		राजगीर में मनियार मठ का संरक्षण

वित्त वर्ष 2023-24

क्रं. सं.	**स्मारक का नाम**	संरक्षण कार्यों का ब्यौरा
1.	अधिग्रहित क्षेत्र, नालंदा , जिला- नालंदा में संलग्न सभी टीले, संरचनाएं और भवन	नालंदा में मठ संख्या 08 का संरक्षण
		नालंदा में सराय टीले का संरक्षण

		नालंदा में मंदिर संख्या 02 का संरक्षण
		तक प्लंब स्ट्रक्चर को हटाना और दीवारों में पैच वर्क शामिल है, साथ ही नालंदा में उत्तर पश्चिम की ओर स्तूप का जीर्णोद्धार भी शामिल है।
		नालंदा में मंदिर संख्या 14 का संरक्षण
2.	विक्रमशिला मठ का प्राचीन स्थल , अंतीचक , माधोरामपुर , ओरिउप , जिला- भागलपुर	विक्रमशिला महाविहार के उत्तर-पूर्व दिशा में बने मठ के उत्खनन में मिले अवशेषों का संरक्षण, भागलपुर
		मठ द्वार का संरक्षण (उत्तर की ओर मंडप) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर।
		मठ की सीढ़ियों का संरक्षण (दक्षिण की ओर) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर।
		विक्रमशिला महाविहार अंतीचक भागलपुर में मठ का संरक्षण (दक्षिण और पश्चिम की ओर)
		मठ की सीढ़ियों का संरक्षण (पश्चिम की ओर) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर।
3.	राजगृह की दीवारों से घिरे इलाकों में सभी पुरानी इमारतें महादेव मंदिर, राजगीर , जिला, नालंदा और बचे हुए हिस्से या स्मारक।	राजगीर में महादेव मंदिर का संरक्षण और जीर्णोद्धार ।
4.	राजगृह (जरासंध का बैठका, मनियार मठ), ज़िला, नालंदा के नाम से जाने जाने वाले पुराने शहरों से आधे मील के अंदर हैं।	राजगीर में जरासंध की बैठक का संरक्षण ।
		राजगीर में मनियार मठ का संरक्षण ।

वित्तीय वर्ष 2024-25

क्र. सं.	**स्मारक का नाम**	**संरक्षण कार्यों का ब्यौरा**
1.	अधिग्रहित क्षेत्र, नालंदा , जिला- नालंदा में	नालंदा में सराय टीले का संरक्षण

	संलग्न सभी टीले, संरचनाएं और भवन	नालंदा में मठ संख्या 08 का संरक्षण
		नालंदा में मंदिर नंबर 02 का संरक्षण ।
		तक प्लंब स्ट्रक्चर को हटाना और दीवारों में पैच वर्क शामिल है, साथ ही नालंदा में उत्तर पश्चिम की ओर स्तूप का जीर्णोद्धार भी शामिल है।
2.	विक्रमशिला मठ का प्राचीन स्थल , अंतीचक , माधोरामपुर , ओरिउप , जिला- भागलपुर	मंडप का संरक्षण द्वार विक्रमशिला महाविहार, अंतीचक , भागलपुर।
		विक्रमशिला , अंतीचक , भागलपुर में खुदाई से मिले अवशेषों पर उत्तर पूर्व की ओर मठ का संरक्षण
		विक्रमशिला , अंतीचक , भागलपुर में मठ की दक्षिण दिशा की सीढ़ियों का संरक्षण।
3.	अशोक स्तंभ कोल्हुआ , जिला- मुजफ्फरपुर	कूटागारशाला का संरचनात्मक संरक्षण अशोक स्तंभ पर स्वास्तिक मठ , कोल्हुआ , मुजफ्फरपुर ।
4.	बौद्ध स्तूप , ताजपुर , देउर , जिला- पूर्वी चंपारण	पूर्वी चंपारण के केसरिया में नए बने बौद्ध स्तूप के पश्चिमी हिस्से का संरक्षण
		पूर्वी चंपारण के केसरिया में बौद्ध स्तूप के पश्चिमी हिस्से के ऊपरी हिस्से का निर्माण
		पूर्वी चंपारण के केसरिया में बौद्ध स्तूप के पूर्वी हिस्से के चरण-II का संरक्षण
		पूर्वी चंपारण के केसरिया में नए खुले ढांचे के पूर्वी हिस्से का संरक्षण ।
5.	बुद्ध की मूर्ति, जगदीशपुर , जिला नालंदा	रुक्मिणी स्थान जगदीशपुर , नालंदा का संरक्षण में अस्थान
6.	पुराने और नए राजगृह (मनियार मठ), ज़िला, नालंदा के नाम से ज्ञात जो पुराने शहरों से आधे मील के अंदर हैं ।	राजगीर में मनियार मठ का संरक्षण

7.	मुंडेश्वरी देवी का मंदिर, पौरा पहाड़ी , रामगढ़ , जिला- कैमूर	मुंडेश्वरी देवी मंदिर का संरक्षण, पौरा हिल रामगढ़ , कैमूर

वित्तीय वर्ष 2025-26 (अभी तक)

क्र.सं.	स्मारक का नाम	संरक्षण कार्यों का ब्यौरा
1.	विक्रमशिला मठ का प्राचीन स्थल , अंतीचक , माधोरामपुर , ओरिउप , जिला- भागलपुर	मठ का संरक्षण (दक्षिण और पश्चिम की ओर) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर
		तिब्बती मंदिर विक्रमशिला का संरक्षण महाविहार , अंतीचक , भागलपुर
		हिंदू मंदिर परिसर विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर का संरक्षण
		विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर मठ की सीढ़ियों का संरक्षण (दक्षिण की ओर)
		मठ की सीढ़ियों का संरक्षण (उत्तर की ओर मंडप) द्वार) विक्रमशिला महाविहार , अंतीचक , भागलपुर।
2.	अधिग्रहित क्षेत्र, नालंदा , जिला- नालंदा में संलग्न सभी टीले, संरचनाएं और भवन	तक सीधी खड़ी संरचना को हटाना और दीवारों में पैचवर्क शामिल है, साथ ही नालंदा में उत्तर पश्चिम की ओर स्तूप का जीर्णोद्धार भी शामिल है।
		नालंदा में मंदिर संख्या 14 का संरक्षण
		नालंदा में मंदिर सं. 12 के बगल वाले हिस्से का संरक्षण
4.	पुराने और नए राजगृह (जरासंध का बैठका) ज़िला, नालंदा के नाम से ज्ञात जो पुराने शहरों से आधे मील के अंदर हैं।	राजगीर , नालंदा में जरासंध के अखाड़ा का संरक्षण
5.	बुद्ध की मूर्ति, जगदीशपुर , जिला नालंदा	जगदीशपुर , नालंदा में रुक्मिणीस्थान का संरक्षण।
6.	शेर शाह सूरी का मकबरा सासाराम , जिला- रोहतास में है	सासाराम में शेर शाह सूरी के मकबरे के मुख्य गुंबद और बाहरी ढांचों का संरक्षण।
7.	बौद्ध स्तूप , ताजपुर , देउर , जिला- पूर्वी चंपारण	पूर्वी चंपारण के केसरिया में बौद्ध स्तूप के पश्चिमी हिस्से की ऊपरी छत का संरक्षण।

अनुबंध – II

लोकसभा में दिनांक 16.03.2026 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या * 321 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित विवरण

विगत तीन वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान बिहार के कैमूर और रोहतास जिलों में निष्पादित संरक्षण और अनुरक्षण कार्य और उन पर किए गए व्यय का ब्यौरा

वर्ष 2022-23

क्रम. सं.	**जिला/राज्य**	**कार्य का नाम**	**व्यय (राशि रुपये में)**
1.	**कैमूर, बिहार**	मुंडेश्वरी देवी मंदिर, पौरा पहाड़ी, रामगढ़ , जिला - कैमूर का संरक्षण	643221.00
2.	-वही-	चैनपुर में बख्तियार खान मकबरे की मरम्मत।	141615.00
3.	-वही-	कैमूर जिले के पौरा पहाड़ी पर मुंडेश्वरी देवी मंदिर का सालाना रखरखाव	90403.00
		कुल	**875239.00**
4.	**रोहतास, बिहार**	आज़ादी का अमृत के तहत शेरशाह सूरी का मकबरा सासाराम में महोत्सव पर्यटक सुविधाओं का विकास और उन्नयन	195610.00
5.	वही	रोहतास किला, रोहतास में जल निकायों का संरक्षण और नवीनीकरण।	1850.00
6.	वही	सासाराम में हसन शाह सूरी के मकबरे पर नालियों का पुननिर्माण	2925.00
7.	वही	सासाराम में शेरशाह सूरी मकबरे के मुख्य गुंबद और बाहरी ढांचों का संरक्षण	700.00
8.	वही	सासाराम में हसन शाह सूरी मकबरे का वार्षिक रखरखाव जिला - रोहतास	492858.00
9.	वही	चंदन शहीद हिल सासाराम जिला – रोहतास में अशोक के शिलालेख का सालाना रखरखाव	86279.00
10.	वही	रोहतास की मरम्मत गढ़ किला, रोहतास , सब सर्कल सासाराम	644688.00
11	वही	सासाराम में शेर शाह सूरी मकबरे का वार्षिक रखरखाव जिला - रोहतास	1636710.00

		कुल	**3061620.00**

वित्तीय वर्ष 2023-24

क्रम.सं.	**जिला/राज्य**	**कार्य का नाम**	**व्यय (रुपये में)**
	मूर , बिहार	कैमूर जिले के पौरा पहाड़ी पर मुंडेश्वरी देवी मंदिर का वार्षिक अनुरक्षण	190910.00
	-करना-	चैनपुर में बख्तियार खान मकबरे की मरम्मत ।	95455.00
			286365.00
	तास , बिहार	साराम में हसन शाह सूरी मकबरे का वार्षिक अनुरक्षण जिला - तास	95455.00
	वही	चंदन में अशोक के शिलालेख का वार्षिक अनुरक्षण शहीद हिल सासाराम	95455.00
	वही	रोहतास गढ़ किला, रोहतास , उप-मंडल सासाराम की मरम्मत	276115.00
	वही	ाराम जिला - रोहतास में शेर शाह सूरी मकबरे का वार्षिक अनुरक्षण	745374.00
		कुल	**212399.00**

वित्तीय वर्ष 2024-25

क्रम.सं.	**जिला/राज्य**	**कार्य का नाम**	**व्यय (रुपये में)**
1.	**कैमूर , बिहार**	मुंडेश्वरी देवी मंदिर, पौरा हिल रामगढ़ , कैमूर का संरक्षण	361000.00
2.	वही	कैमूर जिले के पौरा पहाड़ी पर मुंडेश्वरी देवी मंदिर का वार्षिक अनुरक्षण	170916.00
3.		चैनपुर में बख्तियार खान मकबरे की मरम्मत	85980.00
		कुल	**617896.00**
4.	**रोहतास, बिहार**	आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर सासाराम में शेरशाह सूरी मकबरे पर महोत्सव और पर्यटन सुविधाओं का विकास एवं उन्नयन	1944142.00
5.	वही	सासाराम में हसन शाह सूरी मकबरे का सालाना रखरखाव जिला - रोहतास	85458.00

6.	वही	चंदन में अशोक के शिलालेख का सालाना रखरखाव शहीद हिल सासाराम	82005.00
7.	वही	रोहतास गढ़ किला, रोहतास , उपमंडल सासाराम की मरम्मत	169872.00
8.	वही	सासाराम में शेर शाह सूरी मकबरे का वार्षिक अनुरक्षण जिला - रोहतास	1001659.00
		कुल	**3283136.00**

वित्तीय वर्ष 2025-26 (जनवरी 2026 तक)

क्रम.सं.	**जिला/राज्य**	**कार्य का नाम**	**व्यय (रुपये में)**
1.	**कैमूर , बिहार**	कैमूर जिले के पौरा पहाड़ी पर मुंडेश्वरी देवी मंदिर का वार्षिक अनुरक्षण	128940.00
2.	वही	चैनपुर में बख्तियार खान मकबरे की मरम्मत	122710.00
		कुल	**251650.00**
3.	**रोहतास , बिहार**	सासाराम में शेर शाह सूरी के मकबरे के मुख्य गुंबद और बाहरी ढांचों का संरक्षण	3480584.00
4.	वही	आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सासाराम में हसन शाह सूरी के मकबरे पर जलनिकायों का जीर्णोद्धार अमृत सरोवर योजना .	1713560.00
5.	वही	रोहतास किले में जल निकायों का संरक्षण और नवीनीकरण	2257068.00
6.	वही	सासाराम में शेरशाह सूरी मकबरे की तीन रंगों वाली रोशनी	438960.00
7.	वही	सासाराम में हसन शाह सूरी मकबरे का वार्षिक अनुरक्षण जिला - रोहतास	710046.00
8.	वही	चंदन में शहीद हिल सासाराम अशोक के शिलालेख का वार्षिक अनुरक्षण	59210.00
9.	वही	रोहतास की मरम्मत गढ़, किला, रोहतास , उपमंडल सासाराम	299875.00
10.	वही	सासाराम में शेर शाह सूरी मकबरे का वार्षिक अनुरक्षण जिला - रोहतास	1194081.00
		कुल	**10153384.00**

अनुबंध–III

लोक सभा में दिनांक 16.03.2026 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *321 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

1. स्वदेश दर्शन योजना के तहत विहार राज्य में संस्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र. सं.	परियोजना का नाम	संस्वीकृति वर्ष	श्रेणी	संस्वीकृत राशि (करोड़ रू में)	जारी/ अधिकृत राशि (करोड़ रू में)	उपयोग की गई राशि (करोड़ रू में)
1	वैशाली – आरा – मसाद – पटना – राजगीर – पावापुरी – चंपापुरी का विकास	2016-17	तीर्थंकर परिपय	33.96	30.04	29.36
2	कांवरिया रूट का विकास : सुल्तानगंज-धर्मशाला-देवघर	2016-17	आध्यात्मिक परिपय	44.76	42.52	42.17
3	बोधगया में कन्वेंशन सेंटर	2016-17	बौद्ध परिपय	95.18	95.18	95.18
4	भितिहरवा-चंद्रहिया-तुरकौलिया का विकास	2017-18	ग्रामीण परिपय	44.27	40.31	40.31
5	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	2017-18	आध्यात्मिक परिपय	44.55	42.32	42.32

2. बिहार राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत संस्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	श्रेणी	स्वीकृत राशि (रू करोड़ में)	अधिकृत राशि (रू करोड़ में)
1	बोधगया का विकास	2024-25	बौद्ध अनुभव	165.44	16.54

3. *स्वदेश की उप-योजना* सीबीडीडी के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण बिहार राज्य में *दर्शन 2.0 योजना*

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	श्रेणी	स्वीकृत राशि (रू करोड़ में)	अधिकृत राशि (रू करोड़ में)
1	सोनपुर मेला स्थल, सारण का विकास	2024-25	सांस्कृतिक धरोहर	24.29	2.43

4. बिहार राज्य में एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (रू करोड़ में)	प्राधिकरण के लिए जारी राशि (रू करोड़ में)
1	मत्स्यगंधा झील, सहरसा का विकास	2024-25	97.61	97.09
2	करमचट में इको - टूरिज्म और एडवेंचर हब	2024-25	49.51	

5. बिहार राज्य में प्रसाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (रू करोड़ में)	जारी की गई राशि (रू करोड़ में)	उपयोग की गई राशि (रू करोड़ में)
1	पटना साहिब का विकास	2015-16	29.62	29.62	29.62
2	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में बुनियादी सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63	3.63
3.	अंबिका भवानी मंदिर, सारण का विकास	2024-25	13.29	0.00	0.00

****